

आपदा से बचाव के लिये उत्तराखण्ड में काम करेगा इंसिडेंट रसिपॉन्स ससिस्टम

चर्चा में क्यों?

5 दसिंबर, 2023 को आपदा प्रबंधन सचवि डॉ. रंजीत सनिहा ने प्रेस वार्ता में बताया कि आपदा में लोगों को तेजी से बचाने, राहत पहुँचाने के लिये इंसिडेंट रसिपॉन्स ससिस्टम (आईआरएस) तैयार किये जा रहा है।

प्रमुख बदि

- डॉ. रंजीत सनिहा ने बताया कि उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) ने इसकी कवायद शुरू कर दी है। इसकी स्थापना राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के नियमों के तहत की जा रही है।
- इसके लिये यूएसडीएमए ने नविदि जारी की है। ब्लॉक से लेकर ज़िला व राज्य स्तर पर इंसिडेंट रसिपॉन्स टीम (आईआरटी) भी बनाई जाएगी। आपदा के हिसाब से ये टीम भी काम करेगी।
- आईआरएस की गाइडलाइन तैयार कर ली गई है। इसे लागू करने के लिये सॉफ्टवेयर बनवाया जा रहा है। इसके बाद आपदा प्रबंधन में और बेहतर तरीके से राहत एवं बचाव के कार्य किये जा सकेंगे।
- वदिति हो कर राज्य में हर साल आपदाएँ सरकार के लिये चुनौती साबति होती हैं। हाल में सलिक्यारा सुरंग हादसा हो या उससे पहले जोशीमठ भूधंसाव जैसी आपदा। इनसे पार पाने के लिये एनडीएमए के नियमों के तहत अब आईआरएस ससिस्टम तैयार किये जा रहा है। इससे आपदा की तीव्रता या जोखमि के हिसाब से तत्काल बचाव व समाधान किये जा सकेंगे।
- आईआरएस के तीन सेक्शन होंगे। एक ऑपरेशन सेक्शन होगा। दूसरा प्लानिंग सेक्शन और तीसरा लॉजिस्टिक सेक्शन होगा। तीनों के समन्वय से आपदा राहत कार्यों को और तेजी से किये जा सकेंगे।
- प्रारंभिक चेतावनी मलिने के बाद रसिपॉन्सबिल ऑफिसर (आरओ) संबंधित क्षेत्र की इंसिडेंट रसिपॉन्स टीम (आईआरटी) को सक्रिय करेगा। बनिा कसिी चेतावनी के कसिी आपदा की स्थिति में स्थानीय आईआरटी काम करेगा। अगर ज़रूरी होगा तो वह आरओ को सहायता के लिये संपर्क करेगा।
- आईआरटी सभी स्तरों, यानी राज्य, ज़िला, उप-मंडल और तहसील, ब्लॉक पर पूर्व-नरिधारति होगी। अगर आपदा जटलि होगी और स्थानीय आईआरटी के नरियंत्रण से बाहर होगी तो उच्चस्तरीय आईआरटी को सूचति किये जाएगा। इसके बाद उच्चस्तरीय आईआरटी इस पूरी आपदा से बचाव का ज़मिमा संभालेगी।



//

PDF Reference URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/incident-response-system-will-work-in-uttarakhand-to-prevent-disaster>

